Chapter 2

Bihar Board Class 9 History Notes अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम

अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम

महत्त्वपूर्ण तथ्य : 1492 ई. में कोलम्बस ने अमेरिका की खोज की । धीरे-धीरे यूरोपीय देशों ने इस क्षेत्र में अपने उपनिवेश स्थापित कर लिए । उत्तरी अमेरिका में मुख्य रूप से फ्रांस तथा इंगलैंड ने अपना वर्चस्व कायम किया । इंगलैंड से अमेरिकी उपनिवेशों की भौगोलिक दूरी और
वहाँ के निवासियों की वैचारिक भिन्नता ने वैचारिक स्तर पर इंगलैंड तथा उनके उपनिवेशों को दो अलग-अलग स्तरों पर ले आया । अत: उपनिवेशवासी इंगलैंड के वर्चस्व से अलग होने को अग्रसर हुए जिसका परिणाम अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम के रूप में सामने आया ।
अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम के कई महत्वपूर्ण कारण थे जैसे-इंगलैंड के निवासी अपनी उपनिवेशों में भी प्रजातांत्रिक व्यवस्था चाहते थे जबकि ब्रिटिश साम्राज्य अपने उपनिवेशों पर नियंत्रण बनाए रखने में असमर्थ था । दोनों के धार्मिक एवं सामाजिक स्तर पर मतभेद था । ब्रिटिश वासी जहाँ ऐंग्लिकन मत को मानते थे वहीं अमेरिकी प्यूरिटन मतावलम्बी थे। 1756-1763 ई. में फ्रांस तथा इंगलैंड के बीच हुए युद्ध में फ्रांस की पराजय ने भी उपनिवेशवासियों की स्वतंत्रता की इच्छा को भड़काया । उपनिवेशों में धीरे-धीरे उन्मुक्त व्यापार की धारणा विकसित हो रही थीजिसके अन्तर्गत राज्य द्वारा व्यापार को नियंत्रित करने का विरोध किया जाता था। अतः
उपनिवेशवासी अपने व्यापार एवं अन्य क्रियाकलापों में इंगलैंड के हस्तक्षेप को नापसंद करते थे।सप्तवर्षीय में इंगलैंड की काफी आर्थिक क्षति हुई थी जिसकी भरपाई करने के लिए 1765ई. में प्रधानमंत्री ग्रीनविले ने स्टाम्प ऐक्ट पारित किया जिसके अनुसार सभी अदालती कागजों,अखबारों आदि पर 20 शिलिंग का स्टाम्प लगाना अनिवार्य कर दिया ।
1776 ई. में टॉमस पेन की पत्रिका कॉमनसेंस प्रकाशित हुई जिसमें अत्यन्त ही प्रभावशाली एवं उत्तेजक शैली में स्वतंत्रता की आवश्यकता पर बल दिया । उसमें उपनिवेशवासियों के विद्रोह करने के अधिकार का समर्थन तथा उनकी बढ़ती हुई स्वतंत्रता की इच्छा को प्रोत्साहन दिया गया। इंग्लैंड के शासक जार्ज तृतीय व्यक्तिगत शासन के सिद्धान्त में विश्वास करते थे जिसकी वजह से उपनिवेशों के साथ, उत्पन्न हुए। संकट के शांतिपूर्ण समाधान की उम्मीद भी खत्म हो गई। 1773 ई० में चाय कानून द्वारा ईस्ट इंडिया कम्पनी को भारत से सीधे अमेरिका चाय भेजने का एकाधिकार प्राप्त था । इसका उपनिवेशवासियों ने विरोध किया ।
इसके फलस्वरूप ब्रिटेन का एक कीमती उपनिवेश उनके हाथों से निकल गया । इसने एडम स्मिथ के मुक्त व्यापार सिद्धान्त को मजबूत किया । ब्रिटेन की हार का दोष जार्ज तृतीय तथा उसके मंत्रियों के सर मढ़ा गया । शासन में जनता की भागेदारी का मार्ग प्रशस्त हुआ । लोगों को मूलभूत स्वतंत्रता मिली, विश्व का प्रथम लिखित संविधान अमेरिका में 1789 ई. में लागू किया गया ।अमेरिका गणतंत्र बना । लेकिन वयस्क मताधिकार लागू नहीं हुआ ।

इस प्रकार संयुक्त राज्य अमेरिका का गठन एक नए राज्य के रूप में हुआ जिसमें पहली बार लिखित संविधान, शक्ति के पृथक्करण सिद्धान्त, धर्मनिरपेक्षता का सिद्धान्त और व्यक्तिगत सिद्धान्त राजनैतिक व्यवस्था के मूल आधार माने गए ।
इंगलैंड की असफलता के मुख्य रूप से निम्न कारण थे :
(i) अमेरिका की इंग्लैंड से भौगोलिक दूरी तथा अंग्रेजी सैनिक भी भौगोलिक स्थिति से
परिचित नहीं थे।
(ii) अधिकांश अंग्रेज इसे गृहयुद्ध समझते रहे ।
(iii) उपनिवेशवासियों में एकता एवं उत्साह था ।

https://www.evidyarthi.in/

(iv) ब्रिटिश सेनापतियों ने कुछ सामाजिक भूलें की थीं ।
(v) ब्रिटिश सेनापतियों एवं राजनेताओं के बीच मतभेद थे।
(vi) ब्रिटेन विदेशी सहायता से वंचित रहा ।
(vii) अमेरिका को जार्ज वाशिंगटन जैसा सुयोग्य नेता मिल गया ।

evidyarthi

https://www.evidyarthi.in/